Patrika, 22nd April 2022, Page - 02

सिटी व्यू एंड रिव्यू एंकर

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा की टीम ने जानी स्मार्ट मीटर की खूबियां

बिजली कंपनी को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग टूल्स की मदद देगा आइआइटी इंदौर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क .
patrika.com

इंदौर. इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी), इंदौर अब बिजली कंपनी को और हाइटेक बनाने में हाथ बंटाएगा। संस्थान के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा की टीम ने बिज़ली कंपनी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग टूल्स में मदद करने को हामी भरी है। उपभोक्ताओं के लिहाज से भी यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आइआइटी इंदौर की डॉ. तृप्ति जैन के नेतृत्व में टीम बिजली वितरण कंपनी के पोलोग्राउंड मुख्यालय पहुंची और विद्युत वितरण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। दल ने स्मार्ट मीटर के लिए विशेष रूप से बनाए गए हाईटेक कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली भी जानी। इस दौरान शहर में 2018 से लेकर अब तक स्मार्ट मीटर की योजना के कार्य, तकनीकी उन्नयन, उपभोक्ता सुविधा, देशभर में स्मार्ट मीटरिंग को लेकर की जा रही नालेज शेयरिंग, सही रीडिंग, सही बिलिंग के बाद विवादों में आई कमी और अन्य काम-काज के बारे में दल को जानकारी दी गई। डॉ. जैन ने कहा कि आइआइटी की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा बिजली कंपनी की मदद करेगी। जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए फैकल्टी और विद्यार्थी मिलकर काम करेंगे।

आइआइटी को मिलेगी स्मार्ट मीटर का डाटा

स्मार्ट मीटर सेल के अधीक्षण यंत्री डीएस चौहान और कंट्रोल सेंटर प्रभारी नवीन गुप्ता ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से स्मार्ट मीटर की यात्रा के हर पहलू का चित्रण प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्मार्ट मीटर प्रत्येक उपभोक्ता का दैनिक विभिन्न प्रकार का डाटा उपलब्ध कराता है। इस डाटा का बिजली कंपनी और ऊर्जा विभाग के साथ ही आइआइटी की इलेट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा उपयोग करेगी। मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के प्रबंध. निदेशक अमित तोमर ने दल के दौरे को स्वागत योग्य बताया व कहा कि आइआइटी इंदौर सतत ही बिजली कंपनी की मदद करती है। हमारे बोर्ड में भी आइआइटी का सदस्य होता है, आइआइटी की पहल निश्चित ही ऊर्जा क्षेत्र के लिए मिल का पत्थर साबित होगी।